



ट्राइब्स इंडिया ने 100 नए फॉरेस्ट फ्रेश ऑर्गेनिक उत्पाद को अपनी श्रृंखला प्रकृति के उपहार में शामिल किया

जनजातीय मामलों के मंत्रालय के अन्तर्गत आने वाली ट्राइफेड ने प्रकृति की और अधिकता लाने के लिए ट्राइब्स इंडिया उत्पादों की अपनी श्रेणी में 100 नए फॉरेस्ट ऑर्गेनिक उत्पाद शामिल किए हैं। आदिवासी उपज और उत्पादों की एक नई श्रृंखला फॉरेस्ट फ्रेश नैचुरल एंड ऑर्गेनिक्स का अनावरण प्रबंध निदेशक श्री प्रवीर कृष्णा ने आज वर्चुअल तरीके से किया। साप्ताहिक आधार पर, 100 नए उत्पादों / उत्पादों को लॉन्च किया जाएगा और ट्राइब्स इंडिया कैटलॉग में शामिल किया जाएगा। 100 उत्पादों का पहला सेट आज ऑनलाइन लॉन्च किया गया। ये और बाद में शामिल किए गए उत्पाद/उत्पाद 125 ट्राइब्स इंडिया आउटलेट्स, ट्राइब्स इंडिया मोबाइल वैन और ट्राइब्स इंडिया ई-मार्केटप्लेस (tribesindia.com) और ई-टेलर्स जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगे। आदिवासी कारीगरों और वनवासियों की आय और आजीविका को बनाए रखने में मदद करने के लिए निरंतर पहल के हिस्से के रूप में देश भर के आदिवासियों से नए उत्पादों और प्राकृतिक उत्पादों को लिया गया है।

इस अवसर पर श्री प्रवीर कृष्णा ने कहा, “हम वन फ्रेश ऑर्गेनिक्स, आदिवासी उत्पादन और उत्पादों की हमारी नई श्रेणी का अनावरण करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। 100 नए आदिवासी उत्पाद, मुख्य रूप से प्राकृतिक उपज और प्रतिरक्षा को मजबूत करने, भारत भर के आदिवासी समुदायों से मंगवाए जाएंगे। विभिन्न चैनलों के माध्यम से जैविक, आवश्यक प्राकृतिक प्रतिरक्षा-बढ़ाने वाले उत्पादों को शामिल करने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि लोग जीवित रहने का एक स्थायी और पौष्टिक तरीका अपनाते हैं। यह देश भर में आदिवासियों (दोनों कारीगरों और वनवासियों) को बढ़ावा देने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए एक लंबा रास्ता तय करेगा। चैनल के बावजूद, इन सामानों की बिक्री आय सीधे आदिवासियों तक जाएगी।”

देश के विभिन्न हिस्सों से एकत्र किए गए ये नए उत्पाद ट्राइब्स इंडिया के विशाल और समृद्ध प्रदर्शनों की सूची में वृद्धि करेंगे। आज लॉन्च किए गए उत्पादों में, हिमाचल प्रदेश में किन्नौर के सुनहरे हरे और लाल सेब शामिल हैं। उत्तराखंड के मुंज घास से बनी टोकरियाँ और बक्से, तमिलनाडु में नीलगिरी जनजातियों से प्राप्त इमली, लौंग, नीलगिरी का तेल, कॉफी पाउडर, राजस्थान की मीणा जनजातियों

द्वारा बनाया गया ट्राइब्स इंडिया ब्रांडेड मास्क, मध्य प्रदेश की गोंड और भील जनजातियों से कई तरह के ऑर्गेनिक, प्रतिरक्षा मजबूत करने वाले चूरन और कढ़ा की किस्में, मध्य प्रदेश के शिवगंगा, झाबुआ से भिलाला जनजातियों द्वारा बनाई गई महुआ बाँस की मोमबत्तियाँ, प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले पाउडर जैसे गिलोय पाउडर, जामुन पाउडर, महाराष्ट्र और गुजरात से कई प्रकार की दालें और खिचड़ी मिलती हैं। उत्तर-पूर्व से, शामिल किए जाने वाले उत्पादों में विभिन्न प्रकार के अचार (कटहल, जैतून), रस (बेल), और जोहा और लाल चावल शामिल हैं।

सभी उत्पाद छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर जैसे भारत के आदिवासी राज्यों से लिए गए हैं जिनमें से कुछ के नाम दिए गए हैं। इन के अलावा, कुछ उत्पादों को संसाधित किया गया है जिन्हें वन धन आदिवासी स्टार्ट-अप के तहत पैक किया गया है जो एमएसपी योजना का एक घटक है जो आदिवासी सभा और वनवासियों और घर में रहने वाले आदिवासी कारीगरों के लिए रोजगार सृजन के स्रोत के रूप में उभरा है, को भी शामिल किया गया है।

इन अद्वितीय उत्पादों को शामिल करने से ग्राहक और प्रभावित आदिवासी आबादी दोनों को मदद मिलेगी। एक तरफ, शुद्ध प्राकृतिक उत्पाद, प्रकृति का एक उपहार देश भर में परिवारों तक पहुंचेगा और बढ़ावा मिलेगा और आदिवासी आजीविका का समर्थन करेगा। इन कोशिशों के समय में जब कोविड-19 महामारी ने एक से अधिक तरीकों से जीवन को बाधित किया है तो लोग जीवित रहने और यथासंभव सुरक्षित रहने के स्वस्थ तरीकों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

इन मुश्किल घड़ी में एक मंत्र 'गो वोकल फॉर लोकल' से 'गो वोकल फॉर लोकल गो ट्राइबल' को अपनाते हुए ट्राइफेड कई पथ तोड़ने वाली पहल करके, ट्राइफेड अपने मौजूदा प्रमुख कार्यक्रमों और कार्यान्वयनों के अलावा कई पथ-प्रदर्शक पहल करके, पीड़ित और प्रभावित आदिवासी लोगों की स्थिति को सुधारने का प्रयास कर रहा है, जो एक रामबाण और राहत के रूप में सामने आया है।

'आत्मनिर्भर अभियान' आह्वान को ध्यान में रखते हुए ट्राइफेड ने आदिवासी उत्पादकों – वनवासियों और कारीगरों के लिए एक विशेष ई-मार्केटप्लेस भी शुरू किया है, जिससे एमएफपी, हस्तशिल्प और हथकरघा की ऑनलाइन खरीद की सुविधा उपलब्ध हो सके। ट्राइब्स इंडिया ई-मार्ट प्लेटफॉर्म (market.tribesindia.com) आदिवासियों के लिए अपने स्वयं के ई-शॉप के माध्यम से ई-मार्केटप्लेस में एक बड़े राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों को अपना माल बेचने के लिए एक ओमनी-चैनल सुविधा है। ट्राइफेड देश भर में लगभग 5 लाख आदिवासी उत्पादकों को चालू करने और उनकी प्राकृतिक उपज और दस्तकारी के सामानों की खरीद की प्रक्रिया में है।